मंत्रालय का कोई सम्बद्ध कार्यालय नहीं है ।

(ख) मंत्रालय के सभी अनुभागों से कहा गया है कि वे हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिन्दी में दें और जहां तक सम्भव हो उनसे सम्बन्धित सभी फाइलों पर टिप्पणी (नोटिंग) भी हिन्दी में करें ।

**दिल्ली की अदालतों में हिन्दी का प्रयोग**

**१०४५. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या **गृह-कार्य** मंत्री १ मई, १९६१ के अतारांकित प्रश्न संख्या ४२२१ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली की अदालतों में हिन्दी के प्रयोग के लिये पंजाब उच्च न्यायालय से मांगी गई अनुमति प्राप्त हो गई है; और

(ख) यदि नहीं, तो दिल्ली की अदालतों में हिन्दी को जारी करने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) :** (क) जी हां।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

**विधि मंत्रालय में हिन्दी का काम**

**१०४६. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या **विधि** मंत्री १ मई, १९६१ के अतारांकित प्रश्न संख्या ४२२२ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दी का काम निबटाने के लिए अनुवाद शाखा में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव पर कोई निर्णय कर लिया गया है; और

(ख) यदि हां, तो वह किस प्रकार का है और अनुवाद शाखा में कितने कर्मचारी बढ़ाये जायेंगे ?

**विधि उपमंत्री (श्री हजरनवीस) :** (क) और (ख). तारीख ८ जून, १९६१ वाले विधि मंत्रालय के संकल्प सं० एफ० ३९।६१–प्रशा० १ की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है । इसकी एक प्रति सदन के पटल पर ७ अगस्त, १९६१ को रख दी गई थी । अब राज भाषा (विधायी) आयोग को सभी केन्द्रीय अधिनियमों और अध्यादेशों तथा किसी केन्द्रीय अधिनियम या किसी ऐसे अध्यादेश या विनियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाये गये सभी नियमों, विनियमों और आदेशों के हिन्दी में प्रामाणिक मूलपाठ तैयार करने का काम सौंपा गया है । आयोग के अध्यक्ष ने अपने कर्त्तव्य का भार १० जुलाई, १९६१ को सम्भाल लिया था और यह सम्भावना है कि आयोग सितम्बर १९६१ के मध्य से पूरे तौर से काम करने लग जायेगा । अनुवाद कार्य को तेजी से निबटाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों के रखे जाने के प्रश्न पर आयोग के साथ परामर्श किया जा रहा है ।

**विस्तार निदेशालय की कार्यवाही हिन्दी में**

**१०४७. श्री प्रकाशवीर शास्त्री:** क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विस्तार निदेशालय द्वारा १९६०–६१ में ऐसे कितने कन्वेन्शन, सम्मेलन और गोष्ठियां बुलाई गईं जिनकी कार्यवाही हिन्दी में छपी है; और

(ख) ऐसी कार्यवाहियों को हिन्दी में प्रकाशित कराने के लिये क्या व्यवस्था की जा रही है ?

**शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली):** (क) और (ख). विभिन्न राज्यों में २३ सेमिनारों का आयोजन किया गया था और चूंकि सेमिनारों में भाग लेने वाले विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं, इसलिए इन सेमिनारों की कार्यवाइयां अंग्रेजी में ही प्रकाशित की जाती हैं । सेमिनारों के निदेशकों को सलाह दी गई है कि वे उन प्रकाशनों को जिनसे सेमिनारों के उद्देश्यों को प्रोत्साहन मिलता हो हिन्दी